2008:20

प्राथमिक शाला के शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि का उनके अध्ययन–अध्यापन पर प्रभाव–एक अध्ययन

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

D-280

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल की
एम.एड. (आर.आई.ई.) उपाधि की
आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध–प्रबंध

2008–2009

मार्गदर्शक
डॉ.एस.के. गुप्ता
प्रवाचक, शिक्षा विभाग

शोधकर्ता
वणकर हरेशकुमार
एम.एड.(आर.आई.ई)

सह–मार्गदर्शक
डॉ. सुनीति खरे
लेब. टेक. (मनो.),शिक्षा विभाग

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्)
श्यामला हिल्स, भोपाल

घोषणा पत्र

मैं हरेशकुमार रामाभाई वणकर, छात्र एम.एड़. (आर.आई.ई.) यह घोषणा करता हूँ कि **"प्राथमिक शाला के शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि का उनके अध्ययन-अध्यापन पर प्रभाव-एक अध्ययन"** नामक विषय पर लघुशोध-प्रबंध 2008-09 में ड़ॉ. एस.के. गुप्ता, प्रवाचक तथा ड़ॉ. सुनीति खरे, शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल के मागदर्शन में पूर्ण किया है।

यह लघुशोध-प्रबंध मेरे द्वारा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड़. (आर.आई.ई.) 2008-09 की उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है।

इस शोध में लिए आँकड़े एवं सूचनायें विश्वसनीय स्त्रोतों तथा मूल स्थानों से प्राप्त किये गये हैं तथा ये प्रयास पूर्णतः मौलिक हैं।

शोधकर्ता

स्थान- भोपाल

दिनांक-२२/०५/2009

वणकर हरेशकुमार
एम.एड़. (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
एन.सी.ई.आर.टी. भोपाल (म.प्र

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि हरेशकुमार रामाभाई वणकर, एम.एड़. (आर.आई.ई.) छात्र, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल (म.प्र.) के बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल ने **"प्राथमिक शाला के शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि का उनके अध्ययन-अध्यापन पर प्रभाव-एक अध्ययन"** लघुशोध प्रबंध मेरे निर्देशन में विधिवत् पूर्ण किया है। लघुशोध मौलिक है जो इनकी लगन और निष्ठा से किया गया प्रयास है।

प्रस्तुत लघुशोध-प्रबंध बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की सन् 2008-09 की शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.एड्.) परीक्षा की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किये जाने योग्य है।

स्थान- भोपाल
दिनांक-27/04/2009

मार्गदर्शक
डॉ. शिवकुमार, गुप्ता
प्रवाचक, शिक्षा विभाग
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

सुनीति

सह-मार्गदर्शक
डॉ. सुनीति खरे
लेब. टेक. (मनो.), शिक्षा विभाग
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

आभार ज्ञापन

प्रस्तुत लघुशोध संबंधी कार्य के निर्देशन का संपूर्ण श्रेय मेरे मार्गदर्शक श्रद्धेय डॉ. शिवकुमार गुप्ता (प्रवाचक), क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल को देता हूँ, जिन्होनें निरंतर उचित परामर्श, पर्याप्त निर्देश तथा अनवरत् प्रोत्साहन देकर शोधकार्य पूर्ण करने में अमूल्य सहयोग प्रदान किया है।

मैं, डॉ. सुनीति खरे का हृदय से कृतज्ञ हूँ, जिन्होनें लघुशोध संबंधी परीक्षण का उचित मार्गदर्शन किया।

मैं, परम् आदरणीय प्राचार्य डॉ. आनंद बिहारी सक्सेना, अधिष्ठाता, डॉ. विजय कुमार सुनवानी एवं प्रो. डॉ. एस.के. गोयल विभागाध्यक्ष, डॉ. जी.एन.पी. श्रीवास्तव भूतपूर्व शिक्षा विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ, जिन्होनें योग्य मार्गदर्शन तथा अनुकूल वातावरण एवं सुविधाएँ देकर कार्य को सुगम बनाया।

मैं, डॉ. लक्ष्मीनारायण, डॉ. बी. रमेशबाबू, डॉ. एम.यु पैइली, डॉ. के.के. खरे, प्रवक्ता संजय कुमार पंड़ागले, डॉ. रत्नमाला आर्य, श्रीमती अंजुली सुहाने, डॉ. बासन्सी खारलुखी, श्री मयंक श्रीवास्तव, श्रीमती सारिका साजू तथा श्री बंसत कुमार का हृदय से आभारी हूँ। जिन्होनें मुझे स्वयं के बहुमूल्य समय में से एक अध्यापक, अभिभावक तथा मार्गदर्शक के रूप में पर्याप्त समय दिया है। प्रस्तुत लघुशोध आप सब के आत्मीय व्यवहार एवं अविस्मरणीय वात्सल्यपूर्ण सहयोग का प्रतिफल हैं। अतः मैं इनका जीवनपर्यन्त ऋणी रहूँगा।

मैं आभारी हूँ उन सब गुरूजनों का जो हर शुक्रवार को आयोजित होने वाले **रिसर्च सेमीनार** में अपना बहुमूल्य समय देकर हमे सुझाव देते रहें।

मैं, पुस्तकालय कार्यकर्ताओं एवं सहयोगियों का हृदय से आभारी हूँ।

मैं, मेरे करीबी मित्र मुकुल चौहान, नायका संदीप, वाक्चौरे सुनील उमेशचन्द्र कनेरिया तथा सहपाठी साथियों का आभारी हूँ जिन्होनें हमेंशा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शोधकार्य को संपन्न करने में सहयोग प्रदान किया।

मैं, अपने पूज्यनीय माताजी का सदैव ऋणी रहूँगा जिन्होनें मेरे इस शोधकार्य को करने में आर्थिक स्त्रोत, प्रोत्साहन, सहयोग एवं ममतामयी प्रेरणा का कार्य किया है।

मैं उन सभी को धन्यवाद करना चाहूँगा, जिन्होनें इस लघुशोध कार्य को पूरा करने में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से मेरी सहायता की है।

स्थान– भोपाल

दिनांक–27/04/2009

शोधकर्ता
वणकर हरेशकुमार
एम.एड. (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
एन.सी.ई.आर.टी. भोपाल (म.प्र.)

विषय सूची

अनुक्रमणिका

मुख्य पृष्ठ	पृष्ठ क्रमांक
घोषणा पत्र	I
प्रमाण पत्र	II
आभार ज्ञापन	III-IV

अध्याय–प्रथम

शोध परिचय

प्रस्तावना–

1.1	भूमिका	1
1.2	शिक्षक और अध्यापन व्यवसाय	7
1.3	शिक्षक और उनका अध्ययन कार्य	10
1.4	समस्या कथन	12
1.5	प्रस्तुत शोध अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व	14
1.6	शोध में प्रयुक्त शब्दावली की परिभाषा	19
	1.6.1 प्राथमिक शाला के शिक्षक	19
	1.6.2 व्यावसायिक संतुष्टि	19
	1.6.3 अध्ययन–अध्यापन	21
1.7	शोध में प्रयुक्त चर	23
1.8	शोध के उद्देश्य	23
1.9	अनुसंधान की परिकल्पनाएँ	23
1.10	समस्या का सीमांकन	24

अध्याय–द्वितीय

संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन

2.1	भूमिका	25
2.2	संबंधित साहित्य के पुनरावलोकन से लाभ	25
2.3	पूर्वशोध आकलन	26

अध्याय–तृतीय

शोध–प्रणाली

3.1	भूमिका	36
3.2	अध्ययन विधि	36
3.3	न्यादर्श का चयन	37
3.4	शोध में प्रयुक्त चर	41
3.5	प्रदत्तों के संकलन के लिए प्रयुक्त उपकरण	42
3.6	शोध में प्रयुक्त उपकरणों का प्रशासन	47
3.7	प्रदत्त संकलन के लिए प्रयुक्त उपकरण के अंकन की विधि	48
3.8	प्रदत्तों के संकलन में उत्पन्न कठिनाईयाँ	49
3.9	प्रदत्तों के विश्लेषण में प्रयुक्त सांख्यिकीय प्रविधि	50

अध्याय–चतुर्थ

प्रदत्त विश्लेषण, परिणाम एवम् व्याख्या

4.1	भूमिका	51
4.2	परिकल्पनाओं का परीक्षण	51
4.3	परिणामों की विवेचना	58

अध्याय–पंचम

शोध सार, निष्कर्ष एवं सुझाव

5.1	भूमिका	61
5.2	शोधसार	63
5.3	निष्कर्ष	66
5.4	सुझाव	67
5.5	भावी शोध हेतु सुझाव	68
संदर्भ ग्रंथ सूची		69–71
परिशिष्ट		V-VIII

तालिका सूची

क्र.	तालिका क्र.	विवरण	पृष्ठ संख्या
1.	3.3.1	प्रतिदर्श चयन का विवरण	39
2.	3.3.2	ईड़र तहसील के शासकीय प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों का विवरण	39
3.	3.3.3	वड़ाली तहसील के शासकीय प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों का विवरण	40
4.	3.3.4	खेड़ब्रह्मा तहसील के शासकीय प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों का विवरण	40
5.	3.5.1	शिक्षक कृत्य संतुष्टि मापनी के कथनों के अनुक्रमांक एवं घटकों का विवरण	44
6.	3.5.2	शिक्षक कृत्य संतुष्टि का प्राप्तांक द्वारा विश्लेषणात्मक विवरण	45
7.	3.5.3	अध्ययन-अध्यापन प्रभाव मापनी के क्रमांक एवं घटकों का विवरण	46
8.	4.2.1	प्राथमिक शाला के शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि एवं अध्ययन-अध्यापन पर प्रभाव के मध्य सह-संबंध गुणांक	52
9.	4.2.2	प्राथमिक शाला के शिक्षकों की लिंग के आधार पर व्यावसायिक संतुष्टि एवं अध्ययन-अध्यापन पर प्रभाव की 'टी' मान की सार्थकता	53
10.	4.2.3	प्राथमिक शाला के शिक्षकों की क्षेत्र के आधार पर व्यावसायिक संतुष्टि एवं अध्ययन-अध्यापन पर प्रभाव की 'टी' मान की सार्थकता	55
11.	4.2.4	प्राथमिक शाला के शिक्षकों की योग्यता के आधार पर व्यावसायिक संतुष्टि एवं अध्ययन-अध्यापन पर प्रभाव की 'एफ' अनुपात की सार्थकता	56
12.	4.2.5	प्राथमिक शाला के शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि स्तर का विवरण	57